सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय
हिंदी विभाग

एम.ए. प्रथम वर्ष साहित्य/ प्रयोजनमूलक हिंदी

ऑनलाईन प्रवेश परीक्षा (**OEE**) 2022 – 2023 के लिए पाठ्यक्रम

Part 'A'

- संचार

  संचार : प्रकृति, विशेषताएं, प्रकार, अवरोध एवं कक्षा में प्रभावी संचार

- तर्क (गणितीय तर्क सहित)

  अंक श्रेणियॉ, अक्षर श्रेणियां, कूट लेखन, सबंधं, वर्गीकरण

- युक्तिसंगत तर्क
  - तर्को की संरचना की समझ
  - आगमन एवं निगमन तर्क का विभेदीकरण तथा मूल्यांकन
  - शाब्दिक सादृश्य : शब्द सादृश्य, व्यावहारिक सादृश्य
  - शाब्दिक वर्गीकरण
  - युक्ति संगत तर्क : सरल रेखाचित्रीय संबंध, बहुरखाचित्रीय सबंध
  - वेन रेखाचित्र – विश्लेषणात्क तर्क

- सूचनाओं का विवेचन
  - सूचनाओं के स्त्रोत, संप्राप्ति एवं विवेचन
  - संख्यात्मक एवं गुणात्मक सूचनायें
  - सूचनाओं का रेखाचित्रण तथा मानचित्रण

- सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी(आई. सी. टी.)
  - आई. सी. टी. : अर्थ, लाभ एवं हानि तथा उपयोगिता
  - साधारण शब्दावली
  - इंटरनेट एवं ईमेल विधि के मूल तत्व

- जन एवं पर्यावरण
  - जन एवं पर्यावरण की अंतक्रिया, प्रदूषण का उद्‌गम, प्रदूषक एवं जीवन में उनका प्रभाव, प्राकृतिक एवं ऊर्जा संसाधनों के समुपयोजन का जीवन पर प्रभाव, प्राकृतिक संकट एवं उनसे बचाव।

Part ‘B’

(अ)

काव्यशास्त्र

1. काव्य (साहित्य) का अर्थ, स्वरूप, काव्य की संस्कृत, हिंदी तथा अंग्रेजी की सर्वाधिक प्रचलित परिभाषाएँ।
2. काव्य–हेतु (कारण) और काव्य प्रयोजन (उद्‌देश्य) का सामान्य परिचय।
3. काव्य के तत्व – भाव – तत्व, बुद्‌धि–तत्व, कल्पना–तत्व, शैली–तत्व।
4. शब्दशक्ति – अभिधा, लक्षणा, व्यंजना का सामान्य परिचय।
5. काव्य के भेद **(प्रकार)**:
   प्रबंध काव्य : महाकाव्य, खंडकाव्य।
   : मुक्तक काव्य, गीतिकाव्य।
6. अलंकार : निम्नलिखित अलंकारों का सोदाहरण परिचय :
   1. शब्दालंकार : अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति।
   2. अर्थालंकार : उपमा, दृष्टांत, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, भ्रांतिमान।
7. देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता, स्वर, व्यंजन, नागरीलिपि का विकास और मानकीकरण, रोमन, फारसी लिपि आदि।

(ब)

1. गद्य के भेद : उपन्यास, कहानी, निबंध, रेखाचित्र।
   (इन विधाओं का केवल तात्विक परिचय तथा उपन्यास और कहानी की तुलना।)
2. दृश्य काव्य : अ) नाटक की परिभाषा और तत्व (भारतीय दृष्टि से तत्वों का स्थूल परिचय)
   आ) माध्यम के आधार पर नाटक के भेद : रंगमंचीय नाटक, रेडियो नाटक, दूरदर्शन नाटक का सामान्य परिचय।
   इ) काव्य नाटक/गीतिनाट्‌य : स्वरूप एवं तात्विक परिचय।
   ई) एकांकी : परिभाषा और तत्व, नाटक और एकांकी की तुलना।

3. रस : अ) रस की परिभाषा एवं स्वरूप।

आ) रस के अंगः स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव और संचारी भाव।

इ) रसों का सोदाहरण परिचयः श्रृंगार रस, करुण रस, वीर रस और हास्य रस।

4. छंद : निम्नलिखित छंदों का सोदाहरण परिचय –

क. मात्रिक छंद : दोहा, सोरठा, रोला, चौपाई, बरवै।
ख. वर्णिक छंद : शखरिणी, द्रुतविलंबित, भुजंगप्रयात, मनहरण कवित्त, दुर्मिल, सवैया।

(क)

हिंदी साहित्य का इतिहास

1. हिंदी साहित्य का काल विभाजन और नामकरण।

2. आदिकाल :

1. आदिकाकलीन रचनाकारों का परिचय– चंदबरदाई, अमीर खुसरो।
2. आदिकालीन रचनाओं का परिचय– ढोला मारू–रा दूहा, बीसलदेव रासो।

3. भक्तिकाल (पूर्वमध्यकाल)

1. निर्गुण भक्ति साहित्य और उसकी शाखाएँ– ज्ञानाश्रयी तथा प्रेमाश्रयी शाखा की विशेषताएँ।
2. सगुण भक्ति साहित्य और उसकी शाखाएँ– कृष्णभक्ति और रामभक्ति शाखा की विशेषताएँ।
3. निम्नलिखित रचनाकारों का संक्षिप्त परिचय–
कबीर, जायसी, सूरदास, तुलसीदास, मीराबाई, रहीम।
4. निम्नलिखित रचनाओं का संक्षिप्त परिचय–
रामचरित मानस, भ्रमरगीत।

4. रीतिकाल **(उत्तर मध्यकाल)** :

1. रीतिकाल का नामकरण।
2. रीतिकालीन कवियों का परिचय : केशवदास, बिहारी, घनानंद।
3. रीतिकालीन रचनाओं का परिचय : रामचंद्रिका, बिहारी सतसई।

(ड)

आधुनिक काल सन 2000 ई. तक

1. काव्य :

   क. निम्नलिखित काव्यधाराओं का संक्षिप्त परिचय :
   भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावादी युग।

   ख. निम्नलिखित काव्यधाराओं की विशेषताओं का परिचय :

   प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, साठोत्तरी कविता,
   उत्तरशती की कविता।

   ग. निम्नलिखित कवियों का परिचय :

   मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, महादेवी वर्मा, अज्ञेय, भवानीप्रसाद मिश्र, मुक्तिबोध, धूमिल, केदारनाथ सिंह, नरेश मेहता, मंगेश डबराल, चंद्रकांत देवकाले, निर्मला पुत्तुल।

   घ. निम्नलिखित रचनाओं का परिचय :
   प्रयप्रवास, कुकुरमुत्ता, उर्वशी।

2. गद्य साहित्य :

   क. निम्नलिखित गद्य विधाओं का विकासात्मक संक्षिप्त परिचय :
   नाटक, उपन्यास, कहानी, निबंध

   ख. निम्नलिखित गद्यकारों का परिचय :

   महावीरप्रसाद द्विवेदी, रामचंद्र शुक्ल, प्रेमचंद, जैनेंद्र कुमार, यशपाल, वृंदावनलाल वर्मा, भीष्म साहनी, जयप्रकाश कर्दम, मोहन राकेश, श्रीलाल शुक्ल, ममता कालिया, मेहरूनिसा परवेज़।

   ग. निम्नलिखित रचनाओं का स्थूल परिचय :

   गोदान, मैला आँचल, पहला सूरज, तुम चन्दन हम पानी, अंधायुग।

''''''''''

....4...